

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

## भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. (क) प्रस्तारक चक्र क्या है? इसका क्या उपयोग है?  
(ख) निम्न कुण्डली में शुक्र का प्रस्तारक बनाए।  
लग्न-मेष 29:42, सूर्य-मकर 14:57, चन्द्र-वृषभ 13:59, मंगल-धनु 14:29  
बुध-मकर 27:59, बृहस्पति-वृश्चिक 19:26, शुक्र-कुंभ 6:24,  
शनि(ब)-कर्क 28:46, राहु-कुंभ 22:55
2. निम्न कुण्डली के सर्वाष्टक बिन्दु दिए गए है  
जन्म - 11.03.1942, 3:20 घण्टे, पटियाला  
लग्न-धनु 23:26, सूर्य-कुंभ 26:39, चन्द्र-धनु 09:43, मंगल-वृषभ 09:03,  
बुध-मकर 29:29, बृहस्पति-वृषभ 20:09, शुक्र-मकर 16:50, शनि-वृषभ 00:32  
राहु-सिंह 20:21, केतु-कुंभ 20:21  
स.बि. I-32, II-23, III-31, IV-38, V-18, VI-33, VII-24, VIII-18  
IX-24, X-32, XI-35, XII-29  
उपरोक्त आधार पर निम्न का उत्तर दें :-  
i) मंगल के प्रभाव से जातक किस आयु में जीवन में प्रतिकूल फल पाएगा?  
ii) आय से व्यय कम है अथवा अधिक?  
iii) क्या जातक की आय परिश्रम के अनुपात में है?  
iv) जातक या उसकी पत्नी में कौन हावी है?  
v) जातक राजनीति में है। कारण बताएं।
3. कक्षा का सिद्धांत क्या है? यह किस प्रकार कार्य करता है? यदि बृहस्पति लग्न अथवा चन्द्र राशि से गोचर करता है तो कक्षा की मदद से कैसे फलादेश करेंगे?
4. निम्न को समझाएं :-  
क) राशि पिण्ड और ग्रह पिण्ड  
ख) आर्थिक सम्पन्नता सर्वाष्टक द्वारा  
ग) दुख का समय सर्वाष्टक द्वारा
5. अष्टकवर्ग के आधार पर आयु कैसे ज्ञात करते हैं? उदाहरण सहित दिखाएं।

## भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. एक शब्द में उत्तर दें :-  
i) रोग संबन्धी प्रश्न में कौन सा भाव डाक्टर को दिखाता है?  
ii) यदि कार्येश, जोकि तीव्र गामी ग्रह है, लग्नेश से पीछे है व ताजिक दृष्ट है व दीप्ताश सीमा में है तो कौन सा योग बनेगा?  
iii) बुध व बृहस्पति की दीप्ताश सीमाएं क्या है?  
iv) किन अंशों पर द्विस्वभाव राशि को चर मानते हैं?  
v) कौन सी राशियों में व्यवसाय में अनुकूल स्थिति प्राप्त करने के लिए शुभ है?  
(चर, स्थिर व द्विस्वभाव)

- vi) कार्येश व लग्नेश के अलावा अन्य कौन सा ग्रह कम्बूल योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?
- vii) चोरी संबंधी प्रश्न में यदि सप्तमेश अष्टम में हो, तो चोरी गई वस्तु कहाँ है?
- viii) सप्तमेश प्रश्न लग्न में है तो कार्यालय में बस के संबंध में क्या कहेंगे?
- ix) चोरी के प्रश्न में चोर को किस भाव से देखते हैं?
- x) यदि चन्द्र लग्न में हो, शनि केन्द्र में हो व बुध अस्त हो तो प्रश्नकर्ता सच्चा है अथवा नहीं।
7. लग्न-वृषभ 13:07, सूर्य-मीन 21:44, चन्द्र-सिंह 28:40 मंगल(व)-सिंह 10:09, बुध-कुंभ 29:50, बृहस्पति-मेष 20:12, शुक्र-वृषभ 7:21, शनि(व)-तुला 2:57, राहु-वृश्चिक 12:54, (5.4.2012, 9.13, हैदराबाद)  
उपरोक्त प्रश्न कुण्डली के आधार उत्तर दें :-  
क) क्या जातक को आई आई एम में स्थान मिला या नहीं?  
ख) यदि हाँ, तो किस दिशा में?
8. क) प्रश्न ज्योतिष का क्या आधार है?  
ख) प्रश्न कुण्डली की क्या सीमाएं हैं?  
ग) क्या शकुन व प्रश्न कुण्डली में कोई संबंध है?
9. 29 अप्रैल 2012 को 6.46 प्रातः दिल्ली में पदोन्नति से संबंधित प्रश्न क्या गया। क्या पदोन्नति होगी। क्या साथ ही स्थानान्तरण भी होगा? निम्न प्रश्न कुण्डली के आधार पर अपना मत दें :-  
लग्न-वृषभ 03:02, सूर्य-मेष 15:06, चन्द्र-कर्क 10:48, मंगल-सिंह 10:56, बुध-मीन 20:04, बृहस्पति-मेष 25:43, शुक्र-वृषभ 25:13, शनि(व)-तुला 01:28, राहु-वृश्चिक 11:17, केतु-वृषभ 11:17
10. प्रश्न ज्योतिष में यम्य योग, पूर्ण इत्थसाल, मनाऊ व इशाराफ योग किस प्रकार प्रयोग किये जाते हैं? उदाहरण सहित समझाए।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

1. निम्न कुण्डली के लिए सभी ग्रहों के द्रेषकोण बल की गणना करें। विभिन्न ग्रह कौन से द्रेषकोण में हैं कारण सहित बताएं?

राशि	लग्न-मीन	सूर्य-धनु	चन्द्र-मिथुन	
	मंगल-धनु	बुध(व)-धनु	बृहस्पति (व)-मेष	
	शुक्र-कुम्भ	शनि(व)-कर्क	राहु-तुला	केतु-मेष
नवांश	लग्न-सिंह	सूर्य-तुला	चन्द्र-वृश्चिक	
	मंगल-मिथुन	बुध-वृश्चिक	बृहस्पति-धनु	
	शुक्र-वृश्चिक	शनि-मकर	राहु-धनु	केतु-मिथुन

2. i) यदि प्रश्न एक में जन्म 11:20 प्रातः हो व वाराधिपति मंगल हो तो होराबल कितना होगा?
- ii) मध्य दिन व मध्य रात्रि में किस ग्रह को अधिकतम त्रिभाग बल मिलता है?
- iii) यदि किसी ग्रह को अधिकतम चेष्टाबल चाहिए तो वह कहाँ होगा?
- iv) किन दो स्थितियों में किसी ग्रह को 30 श. का अयन बल प्राप्त होगा?
- v) बृहस्पति को बली होने के लिए कितने रूपा का न्यूनतम ग्रह बल चाहिए?
- vi) एकादश भाव मध्य धनु राशि के प्रथम भाग में स्थित है। इसके लिए कितना भाव दिग्बल मिलेगा?
- vii) युद्धबल में किस ग्रह का अधिकतम प्रभाव होता है?
- viii) यदि चंद्रमा बृहस्पति से 120 अंश आगे है तो चंद्रमा का बृहस्पति पर कितना दिग्बल होगा।
- ix) यदि शनि लग्न में 15 अंश पर है तो उसे कितना दिग्बल मिलने की संभावना है?
- x) चंद्रमा का नैसर्गिक बल कितने रूपा है।

3. (क) इष्ट फल व कष्ट फल की गणना किस प्रकार करते हैं?

(ख) निम्न का उत्तर दें :-

1. यदि चन्द्रमा 9रा 14:23 अंश पर व सूर्य 5रा 14:56 अंश पर है तो बृहस्पति व मंगल का पक्ष बल ज्ञात करें।
2. यदि जातक रात्रि के द्वितीय भाग में जन्मा है तो बृहस्पति व चन्द्रमा का त्रि भाग बल बताएं।
3. यदि सूर्य व शनि की क्रान्ति 24 अंश उत्तर है तो उनका अयन बल ज्ञात करें।
4. यदि बृहस्पति 4रा 27:00 अंश पर है तो उसका उच्च बल ज्ञात करें।
5. यदि बृहस्पति 147.78 अंश पर है तो उसका उच्च बल ज्ञात करें।

4. निम्न कुण्डली के लिए भाव दिग्बल की गणना करें।  
(जन्म - 9.6.1949, 14:10 बजे, 31उ. 35, 74 पू. 53)  
लग्न-कन्या 17:24, सूर्य-वृषभ 25:14, चन्द्र-वृश्चिक 4:38, मंगल-वृषभ 6:21  
बुध(व)-वृषभ 17:02, बृहस्पति(व)-मकर 8:24, शुक्र-मिथुन 9:11, शनि-सिंह 7:27,  
राहु-मेष 1:17, केतु-तुला 1:17, दशम भाव-मिथुन 18:08

5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखें :-

- |                |             |                   |
|----------------|-------------|-------------------|
| 1. भाव बल      | 2. अहर्गण   | 3. सप्त वर्गीय बल |
| 4. नैसर्गिक बल | 5. चेष्टाबल |                   |

### भाग-II (भाव निर्णय)

6. क) आप यह कैसे पता चलाएंगे कि कोई भाव बली है अथवा नहीं?  
ख) निम्न कुण्डली के प्रथम भाव की विस्तार से विवेचना करें  
लग्न-मिथुन 23:05, सूर्य-तुला 22:38, चन्द्र-तुला 6:23, मंगल-मकर 9:21  
बुध-तुला 18:01, बृहस्पति-कन्या 29:21, शुक्र-तुला 4:01, शनि-मेष 11:11  
राहु-कम्ब 26:15 (जन्म 8.11.1969, 21:30, दिल्ली, महिला)
7. दशांश वर्ग कुण्डली का क्या महत्व है? निम्न कुण्डली के लिए दशांश बनाए व जातक के व्यवसाय पर विस्तार से चर्चा करें।  
जन्म - 17.10.1970, 9:40, बेंगलोर, दशा शेष - सूर्य 4व 13 दि.  
लग्न-वृश्चिक 18:02, सूर्य-कन्या 29:56, चन्द्र-वृषभ 01:02, मंगल-कन्या 04:28  
बुध-कन्या 22:46, बृहस्पति-तुला 17:59, शुक्र-वृश्चिक 01:32,  
शनि(व)-मेष 27:39, राहु-कुंभ 08:01
8. किन्हीं दो पर लिखें (प्रश्न 6 की कुण्डली के आधार पर)  
क) शिक्षा (ख) विदेश आवास (ग) आर्थिक स्थिति
9. योग क्या है। भाव की विवेचना करने के लिए योग का क्या महत्व है। क्या योग जन्म से ही फल देता है।
10. किन्हीं दो पर उदाहरण सहित लिखें :-  
1. भावात् भावम् सिद्धांत  
2. कारको भाव नाशाय  
3. केन्द्र अधिपत्य दोष

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न जातक का पिण्डायुर्दाय ज्ञात करें :-

जन्म 24.2.1948, समय 14:39, स्थान 12 उ. 18, 76 पू. 42

केतु दशा शेष 3वर्ष 05 माह 22 दिन

लग्न 078:14, सूर्य 311:33, चंद्र 126:44, मंगल (व) 122:10

बुध(व) 302:01, बृहस्पति 242:01, शुक्र 351:52, शनि(व) 104:53

राहु 024:48, केतु 204:48

2. (क) बालरिष्ट क्या है? कम से कम 5 योग बतायें। निरस्तीकरण के योगों का वर्णन करें।

(ख) आयुर्दाय के निर्धारण में द्वितीय तथा सप्तम भाव की क्या महत्ता है?

3. अल्पायु, मध्यायु तथा दीर्घायु के लिए पाराशर के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा करें।

4. आयुर्दाय के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा करें।

5. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

(क) छिद्र ग्रह (ख) मेष तथा वृश्चिक लग्न के मारक ग्रह

(ग) दीन मृत्यु तथा दीन रोग

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

6. चिकित्सा के आधार पर समस्त बारह राशियों का भावार्थ बतायें। इनके द्वारा शरीर के कौन से अंग इंगित होते हैं?

7. निम्न के योग बतायें :-

(क) नेत्र योग

(ख) कैंसर रोग

(ग) कुष्ठ रोग

(घ) चर्म रोग

8. किन ज्योतिषीय तथ्यों से पता चलता है कि जातक रोगी प्रवृत्ति का है या नहीं। क्या दशा व गोचर का रोग आरम्भ होने व उसके (रोग) के भविष्य के फल जानने में उपयोग हैं? उदाहरण सहित बताएं।

9. मानव शरीर का स्पष्ट चित्र बनायें तथा विभिन्न अंगों को प्रभावित करने वाले 27 नक्षत्रों को दर्शायें।

10. चिकित्सीय ज्योतिष शास्त्र में निम्न की महत्ता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(क) 22 वां द्रवकन तथा 64 वां नवांश

(ख) कालपुरुष का सिद्धान्त

(ग) मृत्यु भाग में ग्रहों की भूमिका

(घ) चंद्रमा तथा मासिक धर्म की परेशानी

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न में किन्हीं दो का उत्तर दें।  
(क) विंशोत्तरी महादशा प्रणाली के फल ज्ञात करने के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा करें।  
(ख) विभिन्न लग्नों के लिए कुछ दशाएँ शुभ तथा कुछ अशुभ क्यों होती हैं? वर्णन करें।  
(ग) शनि महादशा की सामान्य प्रवृत्ति पर संक्षिप्त ब्यौरा दें। कन्या लग्न में जन्में जातक की शनि महादशा कैसी होगी, यदि शनि अच्छी स्थिति में स्थित है?
2. निम्न जातक का विंशोत्तरी दशा ज्ञात करें तथा उसके व्यवसायकी संभावनाओं का वर्णन करें।  
जन्म - 11.10.1942, 16:05, इलाहाबाद, राहु 12व 12 मा. 1 दि  
लग्न-कुंभ 03:19, सूर्य-कन्या 24:23, चंद्र-तुला 10:21, मंगल-कन्या 22:36  
बुध(व)-कन्या 23:39, बृहस्पति-कर्क 00:32, शुक्र-कन्या 15:11  
शनि(व)-कन्या 19:13, राहु-सिंह 10:33, केतु-कुंभ 10:33
3. दो तथा दो से अधिक दशा प्रणालियों को लेकर जन्मपत्री का विश्लेषण कहाँ तक उपयोगी है? उदाहरण के साथ वर्णन करें।
4. घटना काल निर्धारण में प्रत्यन्तर दशा नाथ की भूमिका की चर्चा करें।
5. जन्म कुण्डली में विदेश यात्रा के समय की संभावना आप कैसे ज्ञात करेंगे? उदाहरण के साथ अपने उत्तर की व्याख्या करें।

भाग-II (गोचर)

6. गोचर में मूर्ति निर्णय पद्धति क्या है? 15.11.2011 को शनि गोचर का विभिन्न राशियों पर होने वाली सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालें।
7. किन्हीं दो के उत्तर दें।  
(क) ग्रहों के गोचर फल अध्ययन में चंद्रमा की महत्ता की चर्चा करें।  
(ख) ग्रहों के गोचर के अध्ययन में लता से क्या अभिप्राय है? अग्र तथा पृष्ठ लता पर संक्षिप्त विवरण दें।  
(ग) साढ़े साती पर संक्षिप्त में लिखें।
8. (क) मंत्रेश्वर द्वारा फल दीपिका के तहत शनि के नक्षत्र अंगफल पर संक्षिप्त ब्यौरा दें व उसके क्या परिणाम होंगे?  
(ख) पर्याय सिद्धान्त का प्रयोग करते हुए जन्मकुण्डली में बृहस्पति गोचर की भूमिका की चर्चा करें।
9. शनि गोचर को लेते हुए कक्षा सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी करें। अष्टकवर्ग से फलादेश में यह कहाँ तक उपयोगी है?
10. दशा व अन्तरदशा फलों पर गोचर का क्या प्रभाव है? वे कौन से योग हैं जो विवाह व सन्तानोपत्ति में सहायक होते हैं?

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

## भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. कारकांश के प्रयोग से निम्न जातक के व्यवसाय पर चर्चा करें :-  
जन्म - 60.1.1934, 10:17 प्रातः, दिल्ली, शुक्र 9व 1 मा. 2 दि.  
लग्न-कुंभ 14:34, सूर्य-धनु 22:15, चन्द्र-सिंह 20:36, मंगल-मकर 14:10  
बुध-धनु 13:55, बृहस्पति-कन्या 28:41, शुक्र-मकर 29:02,  
शनि-मकर 22:01 रा. - मकर 26:44
2. निम्न जन्मांग की चर दशा ज्ञात करें व सन् 2011 व 2012 में जातक की उपलब्धियों का फलादेश करें।  
जन्म 24.4.1973, 14:25 बजे, 19उ.00, 72पू.48,  
शुक्र 2व 0मा 23 दि, पुरुष  
लग्न-सिंह 7:09, सूर्य-मेष 10:32, चन्द्र-धनु 25:17, मंगल-मकर 26:44  
बुध-मीन 16:49, बृहस्पति-मकर 16:35, शुक्र-मेष 14:20,  
शनि-वृषभ 24:16 राहु-धनु 16:23
3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-  
क) जैमिनी ज्योतिष के मुख्य सिद्धांत  
ख) कक्षा हास  
ग) इन्दु लग्न
4. प्रश्न 1 की कुण्डली के लिए स्थिर दशा, रुद्र व महेश्वर ज्ञात करें।
5. प्रश्न 2 की कुण्डली की मदद से उपपद, दारा कारक व दारा पद का प्रयोग समझाएं।

## भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न जातक के विवाह के समय का निर्धारण करें।  
जन्म 10.3.1987, 17:10 बजे, दिल्ली, दशा शेष बृहस्पति - 6व 1मा 19दि.  
लग्न-सिंह 9:51, सूर्य-कुंभ 25:41, चन्द्र-मिथुन 28:13, मंगल-मेष 18:36  
बुध(व)-कुंभ 6:34, बृहस्पति-मीन 8:10, शुक्र-मकर 14:43,  
शनि-वृश्चिक 27:07, राहु-मीन 18:03
7. सुखद वैवाहिक जीवन के पांच योग बताएं व निम्न महिला के वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।  
जन्म 22.3.1980, 5:55 बजे, दिल्ली, दशा शेष - चन्द्र 2व 10मा 29दि  
लग्न-कुंभ 26:37, सूर्य-मीन 7:58, चन्द्र-वृषभ 19:28,  
मंगल(व)-सिंह 3:47, बुध-कुंभ 14:7, बृहस्पति(व)-सिंह 8:31,  
शुक्र-मेष 23:11, शनि(व)-सिंह 29:26, राहु-सिंह 5:14
8. अष्ट कूट व दशकूट के अलावा अन्य कौन से प्रमुख तथ्य हैं जिनका मेलापक में ध्यान रखना चाहिए।
9. विधवा होने के योगों पर चर्चा करें।
10. विभिन्न ग्रहों की सप्तम भाव में स्थिति पर चर्चा करें।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2012

## प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. निम्न जन्म का अध्ययन कर इन घटनाओं का फलादेश करें :-  
क) जातक के व्यवसाय का प्रकार ख) विदेश यात्रा  
जन्म 10.9.1972; 22:10 घण्टे, गुरदासपुर,  
दशा शेष : मंगल 4व. 2मा. 17 दि.  
लग्न-वृषभ 7:17, सूर्य-सिंह 24:34, चन्द्रमा-कन्या 28:39,  
मंगल-सिंह 23:30, बुध-सिंह 16:16, बृहस्पति-धनु 5:25, शुक्र-कर्क 9:21  
शनि-वृषभ 26:40, राहु-मकर 1:03, केतु-कर्क 1:03
2. निम्न जन्म का लिए सप्ताश व नवाश बनाए व जातक के वैवाहिक जीवन पर चर्चा करें।  
जन्म 28.5.1923, 16:43 घण्टे, विजयवाड़ा,  
दशा शेष - राहु 1व 7मा 4दि., पुरुष  
लग्न-तुला 18:51, सूर्य-वृषभ 13:19, चन्द्रमा-तुला 18:49,  
मंगल-मिथुन 5:37, बुध(व)-वृषभ 14:18, बृहस्पति(व)-तुला 18:32  
शुक्र-मेष 15:27, शनि(व)-कन्या 20:52, राहु-सिंह 24:24, केतु-कुंभ 24:24
3. किन्ही तीन के योगों पर चर्चा करें :-  
(क) व्यवसाय में धक्का (ख) घर सम्पत्ति का स्वामी होना (ग) संतान न होना  
(घ) अच्छी शिक्षा
4. प्रश्न 2 के लिए दशाश बनाए व जातक के व्यवसाय के बारे में बताएं।
5. प्रश्न 1 का प्रयोग करते हुए मकान सम्पत्ति विदेश अथवा देश में प्राप्ति के योगों पर चर्चा करें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष)

6. वर्ष 2012 के लिए आर्द्रा प्रवेश कुण्डली बनाए व इसके मेदनीय ज्योतिष में प्रयोग पर चर्चा करें।
7. सूखे व भूकम्प के योग बताएं।
8. किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।  
(क) पैट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में उतार चढ़ाव  
(ख) मेदनीय में कूर्म चक्र का प्रयोग  
(ग) सप्त नाडी चक्र
9. निम्न पर संक्षिप्त में लिखें :-  
क) सन स्पॉट्स का मौसम पर प्रभाव  
ख) संघट राशि चक्र  
ग) शुक्र का वर्षश बनना  
घ) वर्षा में शकुन का प्रयोग
10. निम्न के प्रभाव बताएं  
(क) शनि मंगल का साथ होना (ख) शनि बृहस्पति का सम सप्तम होना  
(ग) राहु शनि का साथ होना (ग) पाँच ग्रहों का एक साथ होना